नवभारत
भोपाल, सोमवार 25 मई 2026

आधे रायसेन शहर की जल सप्लाई बाधित

- रायसेन में नाला खुदाई से फिर फूटी पाइपलाइन
- मरम्मत के बाद बिजली कटौती से भी परेशानी

नवभारत न्यूज
रायसेन, 24 मई. रायसेन शहर में चल रहे नाला निर्माण कार्य के दौरान बार-बार पानी की लाइन फूटने की समस्या सामने आ रही है.शनिवार देर शाम महामाया चौक पर पाइपलाइन फिर फूट गई, जिससे शहर की जलापूर्ति प्रभावित हो गई.सूचना मिलने पर नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और रातभर मरम्मत कार्य कर लाइन को दुरुस्त किया.

मरम्मत के बाद रविवार सुबह जैसे ही शहर में पानी की आपूर्ति शुरू की गई, उसी दौरान बिजली विभाग के मेंटेनेंस कार्य के कारण विद्युत आपूर्ति बंद हो गई.इसके चलते आधे शहर में जलापूर्ति दोबारा बाधित हो गई, जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा.

ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

शहरवासियों को लगातार जल संकट का सामना करना पड़ रहा है. बार-बार पाइपलाइन टूटने से ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. इस संबंध में बिजली विभाग ने बताया कि रविवार को 33 केवीए लाइन पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया गया.इसके चलते सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक सभी फीडरों की बिजली आपूर्ति बंद रखी गई, जिससे जल वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हुई.

जानकारी के अनुसार, पिछले चार दिनों में नाला निर्माण की खुदाई के दौरान कई बार पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो चुकी है.नगर पालिका द्वारा खुदाई के लिए चिह्नित स्थान के बजाय ठेकेदार द्वारा दूसरी जगह खुदाई किए जाने के कारण जमीन के नीचे बिछी पाइपलाइन बार-बार टूट रही है.

3 दिन से बिजली बंद होने से जलसंकट गहराया

अदनान खान
सलामतपुर, 24 मई. रायसेन जिले के ग्राम मुश्काबाद में रेलवे लाइन क्रॉसिंग कार्य के तहत बिजली विभाग द्वारा बिजली लाइन को अंडरग्राउंड करने का कार्य कराया जा रहा है. इस कार्य के चलते मुश्काबाद रेलवे लाइन के दूसरे साइट पर पिछले तीन दिनों से बिजली सप्लाई बंद होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.
ग्रामीणों का कहना है कि बिजली बंद रहने से पेयजल संकट गहरा गया है, क्योंकि अधिकांश घरों में पानी मोटर के माध्यम स आता है.वहीं जिन किसानों की खेतों में सब्जी एवं अन्य फसलें लगी हुई हैं, उन्हें सिंचाई नहीं होने से नुकसान की चिंता सताने लगी है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कार्य के दौरान ठेकेदार के कर्मचारी बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के काम करते नजर आए, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है.ग्रामीणों ने जल्द बिजली सप्लाई बहाल करने एवं सुरक्षित तरीके से कार्य कराने की मांग की है।

इनका कहना है

3 दिन से भीषण गर्मी में हमारे गांव की बिजली सप्लाई बंद होने से पानी का भी संकट गहरा गया है. वहीं खेतों में भी पानी नहीं दे पा रहे हैं.जिससे सब्जियों के सूखने के डर बना हुआ है.

आसिफ खान, स्थानीय ग्रामीण

बिजली लाइन को अंडरग्राउंड करने का कार्य चल रहा है.लेकिन ठेकेदार के कर्मचारी बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के काम करते नजर आ रहे हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है.

शफीक खान, उपसरपंच ग्राम पंचायत मुड़ियाखेड़ा

बारदाना नहीं होने से गेहूं की तुलाई रुकी

- 13 मई से खुले में पड़ा किसानों का गेहूं

नवभारत न्यूज
बम्होरी, 24 मई. चिंगबाड़ा सोसायटी के अंतर्गत संचालित गेहूं उपार्जन केंद्र ग्राम गुंदरई में किसानों ने भारी अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं. किसानों का कहना है कि केंद्र पर बारदाने और हम्मालों की कमी के कारण उनकी उपज की समय पर तुलाई नहीं हो पा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है.

किसानों ने आरोप लगाया कि केंद्र पर व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं.कभी बारदाना उपलब्ध नहीं रहता तो कभी हम्मालों की कमी बता दी जाती है.किसानों का कहना है कि जब बारदाना आता है तब मजदूर नहीं मिलते और जब मजदूर मौजूद रहते हैं तब बारदाना समाप्त हो जाता है.ऐसे में कई किसानों को मजबूरी में निजी हम्माल लगाकर अपनी फसल की तुलाई करानी पड़ रही है.

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र पर बारदाने की सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है.उनका कहना है कि बारदाना आते ही कुछ किसान उसे उठाकर ले जाते हैं, जिससे जिन किसानों की स्लॉट बुकिंग होती है उनकी उपज की तुलाई समय पर नहीं हो पाती. किसानों ने बताया कि जिन बोरियों की तुलाई हो चुकी है, उन पर न तो किसान का नाम लिखा गया है और न ही किसान कोड अंकित किया गया है, जबकि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक बोरी पर किसान का नाम और कोड स्पष्ट रूप से लिखा जाना अनिवार्य है.

किसान दिनेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि उनकी गेहूं की उपज 13 मई से केंद्र पर रखी हुई है, लेकिन 21 मई तक भी तुलाई नहीं हो सकी.इस बीच उनका स्लॉट भी निरस्त हो गया, जिससे परेशानी और बढ़ गई.उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र पर परिचित और रिश्तेदार किसानों की उपज पहले तुलवा दी जाती है, जबकि अन्य किसानों को हम्माल नहीं हैं, कहकर टाल दिया जाता है. किसान चंद्र सिंह ने बताया कि कई दिनों से उनकी फसल केंद्र पर खुले में पड़ी हुई है.आसपास रखी अन्य किसानों की उपज की तुलाई हो चुकी है, लेकिन उनका गेहूं अब भी तुलाई का इंतजार कर रहा है.उन्होंने कहा कि अब केंद्र पर बारदाना भी खत्म हो चुका है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है.

इनका कहना है

बारदाना किसान खुद उठाकर ले जाते हैं. मैं अकेला सभी को नहीं रोक सकता, कई किसान लड़ाई करने को तैयार रहते हैं.

- विश्वनाथ व्यास, केंद्र प्रभारी

केंद्र पर जो भी कमियां हैं, उन्हें जल्द दूर कराया जाएगा.साथ ही केंद्र प्रभारी और प्रबंधक को आवश्यक समझाइश दी गई है. यदि आगे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी हुई तो संबंधित जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी.

गौरव शुक्ला, तहसीलदार

10 हजार की ठगी का शिकार हुआ किसान

- एटीएम लेकर भागे बदमाश, बाद में निकाल लिए पैसे

नवभारत न्यूज
बेगमगंज , 24 मई. बेगमगंज से लगे विदिशा जिले के गांवों के लोग बाजार करने एवं अपनी फसल की उपज बेचने बेगमगंज आते हैं. रविवार को एक किसान बाजार करने आया और उसने पुराना बस स्टैंड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से 20 हजार निकलना चाहे. सर्वर डाउन होने से एटीएम से पैसे निकलने में दिक्कत हुई.

पीछे खड़े दो अनजान व्यक्तियों ने उन्हें बातों में उलझाया और एटीएम कार्ड निकालकर भाग गए. कुछ देर बाद किसान के खाते से 10 हजार रुपए निकलने का मैसेज आ गया. तब उन्हें ठगी का पता चला तो उन्होंने थाने पहुंचकर घटना की एफआईआर दर्ज कराई.

ठगी के शिकार किसान देवेंद्र लोधी निवासी ग्यारसपुर उसने एटीएम से 20 हजार रुपए निकाल रहा था, शायद अधिक राशि होने से ट्रांजेक्शन नहीं हो सका.

उसी समय दो अनजान व्यक्ति एटीएम कक्ष में आकर खड़े हो गए थे, जो सब प्रक्रिया देख रहे थे और उन्होंने देवेंद्र लोधी को बातों में उलझा लिया. मौका पाकर देवेंद्र लोधी का एटीएम कॉर्ड निकालकर उसके स्थान पर दूसरा एटीएम कॉर्ड लगा दिया और वहां से भाग गए. करीब 10 मिनट बाद देवेंद्र लोधी के मोबाइल पर उसके खाते से 10 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया. पुलिस ने मामला दर्जकर दोनों ठगों की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरों फुटेज खांगला कर ठगों की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है.

पहली बार दूरबीन से बच्चेदानी का ऑपरेशन

- महिला को मिली नई जिंदगी

रायसेन, 24 मई. जिला अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है. अस्पताल के स्त्री रोग विभाग ने शनिवार शाम जिले में पहली बार दूरबीन पद्धति (लेप्रोस्कोपी) से बच्चेदानी निकालने का जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया.

इस सर्जरी में पहली बार 'इंट्रा-कॉर्पोरियल सूचरिंग' तकनीक का भी उपयोग किया गया. ग्राम बांछोर निवासी 50 वर्षीय रजनी को 19 मई को में भर्ती किया गया था. वह पिछले तीन वर्षों से अत्यधिक मासिक रक्तस्राव की समस्या से पीड़ित थीं.15 दिनों से लगातार ब्लीडिंग के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई थी. जांच कराई गई डॉक्टरों ने पहले तीन महीने तक दवाइयों से इलाज किया, लेकिन आराम न मिलने पर जांच कराई गई.जांच में महिला को एडेनोमायोसिस बीमारी होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद डॉक्टरों की टीम ने आधुनिक दूरबीन पद्धति से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया.

मरीज को होता है कम दर्द

पूरी सर्जरी के दौरान सीएमएचओ डॉ. दिनेश खत्री भी मौजूद रहे.उन्होंने टीम का उत्साह वर्धन किया. स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार को यह सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई. डॉक्टरों ने बताया कि लेप्रोस्कोपिक तकनीक में बड़े चीरे की आवश्यकता नहीं होती.इससे मरीज को कम दर्द होता है, संक्रमण का खतरा कम होता है और रिकवरी भी तेजी से होती है.
जिला अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से अब मरीजों को बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी.इस सफल ऑपरेशन में अस्पताल प्रबंधन, वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा.ऑपरेशन के बाद महिला की हालत स्थिर बताई जा रही है, जिसे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

राम के आदर्श अपनाना ही सच्ची भक्ति

- सुनारी गांव में कथा वाचक सुरेश भार्गव ने कहा

नवभारत न्यूज
सलामतपुर, 24 मई. सुनारी गांव में 7 दिनों तक चले श्रीराम कथा एवं महायज्ञ का रविवार को पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया. आसपास के इलाकों से हजारों श्रद्धालुओं ने समापन समारोह में हिस्सा लिया.

समापन अवसर पर मुख्य यजमान एवं कथावाचक ने राम कथा के अंतिम अध्याय में भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक और मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला. प्रधान यज्ञाचार्य पंडित अभिषेक शास्त्री, प्रमुख पुजारी श्रीराम जानकी मंदिर सुनारी के पंडित सुरेश भार्गव, दीनदयाल शर्मा आदि उपस्थित थे.

कथावाचक पंडित सुरेश भार्गव ने कहा कि राम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाती है.आज के युग में राम के आदर्शों को अपनाना ही सच्ची भक्ति है.

महायज्ञ में नवग्रह, गणपति, नवदुर्गा एवं अनेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण गूंजता रहा. समापन के समय हवन कुंड में हजारों आहुतियां दी गईं.भजन-कीर्तन, रामलीला के दृश्य और सामूहिक आरती ने पूरे माहौल को दिव्य बना दिया. सरपंच प्रतिनिधि शेर सिंह राजपूत ने बताया कि गांव में पहली बार इतने बड़े स्तर पर श्रीराम कथा का आयोजन किया गया.पूरे 7 दिनों में रोज सैकड़ों श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे.

सुनारी गांव हो गया राममय

सुनारी गांव में यह आयोजन सांस्कृतिक जागृति का प्रतीक है.राम कथा ने न केवल धार्मिक भावना जगाई है, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी मजबूत किया है.आयोजक समिति ने बताया कि यज्ञ के दौरान महायज्ञ का आयोजन किया गया. इसमें अखंड राम नाम जाप भी चला. समापन पर पूर्णाहुति दी गई और रामधुन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. स्थानीय महिलाओं और युवाओं ने भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया.ग्रामीणों का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजन नियमित रूप से कराए जाएंगे, जो नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने में मदद करेंगे. श्रीराम कथा एवं महायज्ञ के समापन ने सुनारी गांव को राममय बना दिया.चारों ओर 'जय श्री राम' के नारे गूंज रहे थे.

एक नजर में

गैरतगंज में आज जैन समाज मौन जुलूस निकालेगा

गैरतगंज/ बेगमगंज 24 मई. रीवा में 20 मई को जैन धर्म की दो आर्यिका माता जी का चार पहिया वाहन की टक्कर से स्वर्गवास हो गया. टक्कर मारने वाले वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर करवाई करने एवं साधु संतों के विहार के दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर गैरतगंज में 25 मई प्रात: 9:00 बजे मौन जुलूस निकाला जाएगा. ये जुलूस चंदा प्रभु दिगंबर जैन मंदिर तथा पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर चौक बाजार से निकाला जाएगा. यह मौन जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होकर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचेगा.
बेगमगंज में भी जैन समाज सोमवार बड़े जैन मंदिर से मौन जुलूस का निकलेगा. जुलूस नगर के मुख्य मार्गो से होता हुआ एसडीएम कार्यालय पहुंचेगा और यहां ज्ञापन सौंपा जाएगा.

छात्राओं को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

सिलवानी, 24 मई. पीएम श्री विद्यालय सिलवानी में कक्षा 10वीं और 12वीं की ब्यूटी एंड वेलनेस विषय की छात्राओं को व्यावसायिक शिक्षा के तहत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है. प्रशिक्षण प्राचार्य सोनल नामदेव के मार्गदर्शन में चल रहा है. प्रशिक्षण शुभ ब्यूटी पार्लर में ऑन-जॉब ट्रेनिंग के रूप में कराया जा रहा है. प्रशिक्षण का उद्देश्य ब्यूटी और वेलनेस क्षेत्र के व्यावसायिक कौशल सिखाना है.छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाना है.करियर बनाने में मदद करना है.प्रशिक्षण के दौरान ब्यूटी और वेलनेस इंडस्ट्री में करियर के अवसरों की जानकारी दी जा रही है.

तीन बच्चियों की मौत से प्रशासन की पोल खुली

- कामरेड राहुल भायजी ने लगाया आरोप

नवभारत न्यूज
बेगमगंज , 24 मई. जिले भर में जगह -जगह पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है. जिम्मेदार पीएचई के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उदासीनता ओर घोर लापरवाही से लोग प्यासे मर रहे है.पानी के लिए तीन आदिवासी बच्चियों की दर्दनाक मौत होने पर भी शासन -प्रशासन की नींद नहीं खुली है.

मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कॉमरेड राहुल भायजी ने यह आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन दूरदराज स्थित खेतों में बने कुओं का दूषित पानी पीने को मजबूर है. पानी की जद्दोजहद अब उनकी जान पर भी बन आई है. हाल ही में गैरतगंज तहसील के ग्राम सगोर में तीन आदिवासी मासूम बच्चियों की पानी भरते समय कुएं में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई.यदि गांव के जलस्त्रोत चालू होते और पानी मिल रहा होता तो ये दर्दनाक हादसा नहीं होता.उन्होंने आरोप लगाया कि इसका जिम्मेदार शासन प्रशासन एवं पीएचई विभाग है, जो कागजों में गांवों में नलजल योजना एवं हैंडपंप संचालित किए हुए है और धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है.लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे है.

कलेक्टर ने पीड़ित परिजनों को बंधाया ढांढस

रायसेन. कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने रविवार को ग्राम सागौर में पीड़ित परिजनों के घर पहुंचकर उन्हें ढांढस बंधाया. उन्होंने परिजनों से कहा कि दुख की घड़ी में शासन-प्रशासन उनके साथ है. परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने शीघ्रता से कार्यवाही की जा रही है. इस दौरान जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे. उल्लेखनीय है कि सागौर में तीन बालिकाओं की कुएं में डूबने से मृत्यु हो गई थी. कलेक्टर ने ग्राम सागौर में नल जल योजना का भी निरीक्षण करते हुए पीएचई अधिकारियों को निर्देश दिए कि नल जल योजना का सुचारू क्रियान्वयन किया जाए और नियमित पेयजल की आपूर्ति हो.उन्होंने दुर्घटना स्थल का भी निरीक्षण किया.

खेती-किसानी | 60 दिनों में तैयार हो जाती है फसल, सिंचाई की समस्या से जूझ रहे हैं किसान

मूंग की फसल से गर्मी में खेतों पर छायी हरियाली

नवभारत न्यूज
सिलवानी, 24 मई. क्षेत्र में किसानों के लिए मूंग की फसल इन दिनों वरदान साबित हो रही है.तीसरी फसल के रूप में किसान बड़े पैमाने पर मूंग की बोवनी कर रहे हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है.मूंग की फसल बेचकर मिलने वाली राशि से किसान आगामी धान सीजन की तैयारियां भी आसानी से कर पा रहे हैं. तहसील क्षेत्र में हर वर्ष मूंग की खेती का रकबा लगातार बढ़ता जा रहा है.

कम अवधि में तैयार होने वाली यह फसल किसानों को कम समय में अच्छा लाभ दे रही है.लगभग 60 दिनों में तैयार होकर बाजार में पहुंचने वाली मूंग की फसल को लेकर किसानों में खासा उत्साह देखा जा रहा है.

रबी सीजन की फसलों की कटाई के बाद जहां खेतों में सामान्यत: सूखी काली मिट्टी नजर आती थी, वहीं इस बार खेत मूंग की फसल से हरे-भरे दिखाई दे रहे हैं.खेतों में छायी हरियाली से ग्रामीण क्षेत्रों का वातावरण भी बदला-बदला नजर आ रहा है.

क्षेत्र के कई जलस्त्रोतों में पानी की उपलब्धता कम होने से सिंचाई की समस्या बनी हुई है.इसके बावजूद किसान मेहनत और संसाधनों के सहारे मूंग की खेती कर बेहतर उत्पादन की उम्मीद लगाए हुए हैं.

मूंग उपार्जन हेतु 25 मई से होंगे पंजीयन

रायसेन, 24 मई. ग्रीष्मकालीन फसल मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए प्रदेश मे किसानों के पंजीयन 25 मई से 15 जून तक किए जाएंगे.कृषि विभाग के उप संचालक केपी भगत ने बताया कि मूंग उपार्जन हेतु खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा गेहूं के ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन की कार्यवाही की जाएगी.किसानों को फसल बेचने के लिये स्लॉट चयन की प्रक्रिया रहेगी.

जीवन को सही दिशा देती है कथा

- कथा वाचक पंडित अनुज कौशिक जी ने कहा
- ग्राम कढ़ेली चंदपुरा में रही कथा का हुआ समापन

सिलवानी, 24 मई. ग्राम कढ़ेली चंदपुरा स्थित राजा भीमसेन धाम में पंडा दादा स्व. वखत सिंह यादव की स्मृति में आयोजक समिति श्री राजा भीमसेन एवं समस्त भगतगण द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का रविवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ समापन हुआ. कथा के अंतिम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण किया एवं धर्म लाभ प्राप्त किया.

कथा व्यास पंडित अनुज कौशिक जी महाराज (वृजवासी, गोवर्धन) ने समापन दिवस पर श्रीमद्भागवत कथा का महत्व बताते हुए कहा कि भागवत कथा मनुष्य जीवन को सही दिशा प्रदान करती है तथा भगवान के प्रति भक्ति भाव जागृत करती है. उन्होंने कहा कि कथा श्रवण से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक चेतना का विकास होता है तथा दुखों का निवारण होकर समाज में प्रेम, सद्भाव और संस्कारों की भावना मजबूत होती है. कार्यक्रम के दौरान पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश राय ने कथा व्यास पंडित अनुज कौशिक महाराज का श्रीफल भेंटकर सम्मान किया.